

28 दिसम्बर, 2010
मुंबई

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

रु. 30 बिलियन दीर्घावधि ऋण कार्यक्रम	एएए/ स्थिर (पुनः पुष्टि किया हुआ)
--------------------------------------	-----------------------------------

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा) के दीर्घावधि ऋण कार्यक्रम के संबंध में क्रिसिल द्वारा किया गया मूल्यांकन (रेटिंग) लगातार भाविप्रा के मजबूत वित्तीय जोखिम प्रोफाइल तथा इसकी प्रबल बाजार स्थिति को दर्शा रहा है। इस मूल्यांकन (रेटिंग) की भारत सरकार के लिए भाविप्रा के रणनीतिक महत्व में भी भूमिका है। भाविप्रा द्वारा नियंत्रित हवाई अड्डों में से लाभप्रद हवाई अड्डों की संख्या सीमित होने के कारण भाविप्रा को राजस्व इकट्ठा करने में जिस जोखिम का सामना करना पड़ता है उससे इन मूल्यांकनों (रेटिंगों) की शक्तियाँ आंशिक रूप से निष्प्रभावी हो जाती हैं।

भाविप्रा की वित्तीय जोखिम प्रोफाइल मजबूत नकदी उपार्जन तथा एक अच्छी पूंजीगत संरचना से प्रभावित है। 2009-10 में (वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल से 31 मार्च तक वित्तीय वर्ष का अभिप्राय है) भाविप्रा ने प्रचालन आय और नकदी उपार्जन में अच्छी वृद्धि दर्ज की। अच्छी आर्थिक वृद्धि एवं खर्च करने हेतु बढ़ती हुई आय की वजह से यात्रियों की संख्या में जबर्दस्त वृद्धि होने के कारण ऐसा संभव हुआ। भाविप्रा के सबसे अधिक लाभप्रद हवाई अड्डों दिल्ली एवं मुंबई के निजीकरण (2006 में) का बुरा प्रभाव, इन हवाई अड्डों को पट्टे पर देने से प्राप्त हुए राजस्व के हिस्से, उन हवाई अड्डों से लगातार प्राप्त होने वाली हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) आय तथा सामान्य रूप से यात्रियों की संख्या में होने वाली जबर्दस्त वृद्धि की वजह से बिलकुल प्रभावहीन हो गया। प्राधिकरण का गैर-एटीसी राजस्व जो कि भाविप्रा के बंगलूरु एवं हैदराबाद हवाई अड्डों के बंद होने की वजह से 2008-09 में बुरी तरह से प्रभावित हुआ था वह दूसरे हवाई अड्डों पर यात्रियों

